मेट्रो के विस्तारीकरण का प्रस्ताव पीपीपी मोड पर करें तैयार : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा- निजी क्षेत्र की कई कंपनियां काम करने को तैयार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वर्तमान में लखनऊ में संचालित हो रही मेट्रो को एक ओर आईआईएम तक और दूसरी ओर एसजीपीजीआई तक विस्तार दिया जाना चाहिए। निजी क्षेत्र की अनेक कंपनियां इसके लिए सहयोग देने को इच्छुक हैं। ऐसे में पीपीपी मोड पर मेट्रो रेल सेवा के विस्तारीकरण का प्रस्ताव तैयार करें। वे मंगलवार को मेट्रो रेल परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि मेट्रो रेल परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियों को और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। यात्री सेवा और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। इसके लिए धन की कोई कमी नहीं है, इसलिए धनराशि को समय से जारी करते हुए परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध नगर व 17 नगर निगमों में इलेक्ट्रिक बसों और ई रिक्शा के संचालन को बढ़ावा देने के भी निर्देश दिए हैं।

कैबिनेट से दिलाई जाएगी विस्तार की मंजूरी

सीएम के निर्देश के बाद आवास विभाग और उप्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन चारबाग-बसंतकुंज तक बनने वाले मेट्रो के दूसरे चरण के लिए डीपीआर को मंजूरी दिलाने की कवायद में जुट गए हैं। अपर मुख्य सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने कहा कि दूसरे चरण की डीपीआर तैयार है, जिसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी दिलाई जाएगी। वहीं, आईआईएम और पीजीआई तक मेट्रो के विस्तार के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए यूपीएमआरसी को निर्देश दे दिए गए हैं। जल्द ही डीपीआर तैयार कर ली जाएगी।

छह साल पहले तैयार हुआ था सेकेंड फेज का खाका

माई सिटी रिपोर्टर

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का काम शुरू होने की उम्मीदें बढ़ीं

लखनऊ। चारबाग से बसंतकुंज के बीच लखनऊ मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का खाका छह साल पहले ही तैयार हो गया था। स्टेशनों की संख्या, उससे यात्रियों को होने वाले लाभ की योजना तैयार कर ली गई थी। 12 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर कुल 11 स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद इस कॉरिडोर का काम शुरू होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

वर्ष 2018 में मेट्रोमैन ई. श्रीधरन के बाद लखनऊ मेट्रो रेल कॉरपोरेशन बोर्ड ने चारबाग से बसंतकुंज तक 12 किमी लंबे मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को मंजूरी दे दी थी। पर, खाका तैयार होने के बाद सेकंड फेज के विकास का काम आगे नहीं बढ़ पाया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि इसपर जल्द काम शुरू हो सकता है। जानकारों का कहना है कि इस कॉरिडोर के शुरू होने पर 55 से 70 हजार यात्रियों को राहत मिल सकती है।

ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर होंगे ये स्टेशन

चारबाग, गौतमबुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पांडेयगंज, सिटी स्टेशन, मेडिकल कॉलेज चौराहा, नेवाजगंज, ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग

(नोटः सात स्टेशन अंडरग्राउंड व 4 एलिवेटेड बनाए जाएंगे।)

ब्लू लाइन के नाम से जानी जाएगीअधिकारियों ने बताया कि चारबाग से बसंतकुंज के बीच ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को ब्लू लाइन के नाम से जाना जाएगा, जबकि नॉर्थ-साउथ लाइन को रेडलाइन के नाम से जाना जाता है। इस रूट पर 21 स्टेशन हैं और चार बोगियों वाली मेट्रो का संचालन होता है।